



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 1025]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 29, 2016/वैशाख 9, 1938

No. 1025]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 29, 2016/VAISAKHA 9, 1938

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(विदेश व्यापार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अप्रैल, 2016

सं. 04/2015-2020

**विषय:— स्तर धारक-विदेश व्यापार नीति, 2015-20 के पैरा 3.20(ख) में संशोधन।**

**का.आ. 1582(अ).**—विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 के पैरा 1.02 के साथ पठित यथासंशोधित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वारा विदेश व्यापार नीति (एफटीपी) 2015-2020 में तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित संशोधन करती है :

**विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 का मौजूदा पैराग्राफ 3.20 (ख)**

आयात-निर्यात कोड (आईईसी) वाले माल, सेवाओं और प्रौद्योगिकी के सभी निर्यातक एक स्तर-धारक के रूप में पहचान प्राप्त करने के पात्र होंगे। स्तर धारक की पहचान निर्यात निष्पादन पर निर्भर करती है। एक आवेदक को विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.21 में दर्शाए अनुसार मौजूदा और गत दो वित्तीय वर्षों के दौरान निर्यात निष्पादन प्राप्त कर लेने पर स्तर धारक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा। निर्यात निष्पादन की गणना मुक्त विदेशी मुद्रा निर्यात आय के एफओबी मूल्य के आधार पर की जाएगी।

**विदेश व्यापार नीति, 2015-2020 का संशोधित पैरा 3.20 (ख)**

आयात-निर्यात कोड (आईईसी) वाले माल, सेवाओं और प्रौद्योगिकी के सभी निर्यातक एक स्तर-धारक के रूप में पहचान प्राप्त करने के पात्र होंगे। स्तर-धारक की पहचान निर्यात निष्पादन पर निर्भर करती है। एक आवेदक को विदेश व्यापार नीति के पैराग्राफ 3.21 में दर्शाए अनुसार मौजूदा और गत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान निर्यात निष्पादन प्राप्त कर लेने पर स्तर-धारक के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा (रत्न और आभूषण क्षेत्र के लिए स्तर धारक के रूप में पहचान हेतु विगत दो वर्षों के दौरान किए गए निष्पादन पर विचार किया जाएगा) निर्यात निष्पादन की गणना मुक्त विदेशी मुद्रा निर्यात आय के एफओबी के आधार पर की जाएगी।

**इस अधिसूचना का प्रभाव:** चालू और विगत तीन वित्तीय वर्षों में निर्यात संबंधी स्तर धारक की पहचान हेतु मानदण्ड में चालू और विगत दो वर्षों के मौजूदा मानदण्ड से दिनांक 01.04.2016 से परिवर्तन किया गया है। रत्न और आभूषण क्षेत्रों के लिए चालू और विगत दो वर्षों में निर्यात निष्पादन का मौजूदा मानदण्ड यथावत रहेगा।

[फा. सं. 01/61/180/179/एएम16/पीसी-3]

अनूप वधावन, महानिदेशक, विदेश व्यापार

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 29th April, 2016

**No. 04/2015-2020****Subject: Status Holder-Amendment in Para 3.20(b) of Foreign Trade Policy, 2015-20**

**S.O. 1582(E).**—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992, as amended, read with Para 1.02 of the Foreign Trade Policy, 2015-2020, the Central Government hereby makes the following amendments in the Foreign Trade Policy (FTP) 2015-2020 with immediate effect:

**Existing Paragraph 3.20(b) of FTP 2015-20:**

All exporters of goods, services and technology having an import-export code (IEC) number shall be eligible for recognition as a status holder. Status recognition depends upon export performance. An applicant shall be categorized as status holder upon achieving export performance during current and previous two financial years, as indicated in paragraph 3.21 of Foreign Trade Policy. The export performance will be counted on the basis of FOB value of export earnings in free foreign exchange.

**Amended Paragraph 3.20(b) of FTP 2015-20:**

All exporters of goods, services and technology having an import-export code (IEC) number shall be eligible for recognition as a status holder. Status recognition will depend on export performance. An applicant shall be categorized as status holder on achieving export performance during the current and previous three financial years (for Gems & Jewellery Sector the performance during the current and previous two financial years shall be considered for recognition as status holder) as indicated in paragraph 3.21 of Foreign Trade Policy. The export performance will be counted on the basis of FOB of export earning in free foreign exchange.

**Effect of this Notification:** The criteria for recognition as status holder has been changed w.e.f 01.04.2016 to the exports in the current and previous three financial years from the existing criteria of current and previous two financial years. For the Gems and Jewellery Sectors the existing criteria of export performance in the current and previous two years shall continue.

[F. No. 01/61/180/179/AM16/PC-3]

ANUP WADHAWAN, Director General of Foreign Trade